आंगनबाड़ी केन्द्रों में घटिया किस्म के भोजन का दिया जाना

273. **श्री शांति स्याणी** : क्या मानव संसाधन विकास : मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में घटिया किस्म के भोजन का वितरण किया जा रहा है ?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि इन केन्द्रों हेतु एक फर्म से हाल ही में दो करोड़ रुपये की मूंगफली खरीदी गई, जो घटिया किस्म की थी; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है।

मानव संसाधन विकास मंत्री (**श्री अर्जुन सिंह**) : (क) और (ख) आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषाहार की सप्लाई राज्य का विषय है। दिल्ली प्रशासन द्वारा कुछ मामलों में घटिया स्तर की खाद्य सामग्री प्राप्त किए जाने के संबंध में भारत सरकार को 1991-92 और 992-93 में सूचना प्राप्त हुई थी। परन्तु सतर्क कर्मचारियों द्वारा ये घटिया खाद्य सामग्री आंगनबाड़ी केन्द्रों में वितरित नहीं होने दी गई। दिल्ली प्रशासन ने सप्लाई ठेका रद्द करने और/अथवा सिक्योरिटी की राशि जब्त करने अथवा घटिया खाद्य-सामग्री को बदलने को तत्काल कार्रवाई की। मालेगांव आई. सी.डी.एस. परियोजना में घटिया स्तर की खाद्य सामग्री सप्लाई किए जाने के संबंध में हाल ही में महाराष्ट्र से एक और शिकायत प्राप्त हुई है। महाराष्ट्र राज्य सरकार को तदनुसार निर्देश दिए गए हैं कि उक्त परियोजना की आंगनवाड़ियों में अच्छी किस्म की खाद्यसामग्री की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए।

(ग) और (घ) दिल्ली प्रशासन ने 1992-93 के दौरान भुनी हुई मूंगफली खरीदने हेतु आदेश दिए थे। प्रशासन ने नवम्बर, 1992 में एक नमूना परीक्षण के द्वारा यह पाया कि प्रोटीन और कैलोरी तत्व अनुमोदित नमूनों की तुलना में जरा कम थे। नमूना परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर, भुनी हुई मूंगफली की सप्लाई-कर्ता को दिल्ली प्रशासन द्वारा तत्काल चेतावनी दी गई। बाद में सप्लाई की गई खाद्य-सामग्री के नमूनों के विश्लेषण से इस बात की पुष्टि हो गई कि मूंगफली में कैलोरीफिक और प्रोटीन की गुणवत्ता/मात्रा नमूनों के लिए अनुमोदित मानदण्डों के अनुरूप थी।

गुजरात में राष्ट्रीयडेयरी विकास बोर्ड वाली परियोजनाएं

*274 **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड गुजरात में कुछ परियोजनाएं स्थापित करने का विचार रखता है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन हेतु किन-किन स्थानों का चयन किया गया है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान बोर्ड द्वारा गुजरात में सहकारी समितियों को वार्षिक रूप से प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्री श्री बलराम जाखड़ : (क) जी, नहीं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड परियोजनाओं की स्थापना के लिए सहकारी संस्थाओं को केवल वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(ख) उपर्युक्त (क) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में डेयरी विकास हेतु राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा इस प्रकार है : —

वर्ष	(लाख रुपये में)
1990-91	1988.10
1991-92	1908.60
1992-93	2967.36

Coconut Cultivation

*275. SHRI K. K. VEERAPPAN :

SHRI V. GOPALSAMY : Will the Minister of AGRICULTURE be